BHARAT KI BETIYO KI KAHANIYAAN

हरमनप्रीत कौर – क्रिकेटर

हरमनप्रीत कौर का जन्म पंजाब के छोटे से शहर मोगा में हुआ था। गलियों में लड़कों के साथ क्रिकेट खेलते हुए ही उनके बड़े सपनों ने उड़ान भरनी शुरू कर दी थी। बल्ला थामे छोटी सी हरमन जानती थीं कि उनका रास्ता क्रिकेट के मैदान से होकर ही गुज़रेगा।

मोगा की गलियों से अंतरराष्ट्रीय मैदान तक का सफर आसान नहीं था। उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और अवसरों की तलाश थी। इसी जुनून ने उन्हें घर से दूर मुंबई पहुँचाया, जहाँ उन्होंने अपनी प्रतिभा को और निखारा। रेलवे की नौकरी के साथ-साथ उनका क्रिकेट का संघर्ष जारी रहा।

साल 2009 में वह दिन आया जब हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जर्सी पहनी। यह सिर्फ एक शुरुआत थी। असली पहचान मिली 2017 के महिला विश्व कप सेमीफाइनल में। ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम के सामने हरमनप्रीत ने 115 गेंदों पर नाबाद 171 रनों की ऐसी तूफानी पारी खेली जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। यह सिर्फ रन नहीं थे, यह भारतीय महिला क्रिकेट के नए युग का ऐलान था। उस एक पारी ने करोड़ों भारतीयों को महिला क्रिकेट का दीवाना बना दिया।

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

हरमनप्रीत यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी का भार संभाला, टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, विदेशी लीग (WBBL) में अपने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और 'प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट' भी बनीं। उन्हें प्रतिष्ठित 'अर्जुन अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया।

हरमनप्रीत कौर आज सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं। उनकी कहानी सिखाती है —

"अपने सपनों का पीछा करने की हिम्मत रखो, चाहे मैदान कितना भी बड़ा क्यों न हो। मेहनत, लगन और खुद पर यकीन हो, तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं।"

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/